

वार्षिक रिपोर्ट Annual Report 2006 - 2007

प्रथम रहने की परम्परा जारी है। राष्ट्रीयकृत बैंकों में सर्व प्रथम पूर्णतः सीबीएस से जुड़ा बैंक।
As usual, first among the Nationalised Banks fully CBS connected.



प्रौद्योगिकी + कर्मचारी → अपनेपन से सेवा
Technology + People → Service with Empathy

कार्पोरेशन बैंक



Corporation Bank

A Premier Government of India Enterprise

www.reportjunction.com

निदेशक मंडल The Board of Directors



श्री बी. सांबमूर्ति
Shri B. Sambamurthy



श्री के.एल. गोपालकृष्ण
Shri K.L. Gopalakrishna



श्री मुकुल सिंहल
Shri Mukul Singh



श्री एम.ए. श्रीनिवासन
Shri M.A. Srinivasan



श्री चि. हनुमंत राव
Shri CH. Hanumantha Rao



श्री डी.एन. प्रकाश
Shri D.N. Prakash



श्री एस. रवि
Shri S. Ravi



डॉ. सी. रामकृष्ण कामत
Dr. C. Ramakrishna Kamath



श्री पी.एम. सिराजुद्दीन
Shri P.M. Sirajuddin



श्री हीरेन मेहता
Shri Hiren Mehta

महा प्रबंधकगण General Managers



श्री एम. नरेन्द्र
Shri M. Narendra



श्री ए. मोहन राव
Shri A. Mohan Rao



श्री वी.ए. मेंडोसा
Shri V.A. Mendonsa



श्री एन.एन. पाल
Shri N.N. Pal



श्री एम.आर. नायक
Shri M.R. Nayak



श्री के.ए. कामत
Shri K.A. Kamath



श्री के.पी. राव
Shri K.P. Rao



श्री टी.एम.लक्ष्मीकान्तन
Shri T.M. Lakshminathan



श्री यू. बालकृष्ण भट
Shri U. Balakrishna Bhat



श्री बी.आर. भट
Shri B.R. Bhat



श्री के. राम मूर्ति
Shri K. Rama Murthy



श्री एच.एम.ए.खान
Shri H.M.A. Khan

**वार्षिक रिपोर्ट ANNUAL REPORT 2006-2007****विषय - सूची CONTENTS**

विवरण Particulars	पृष्ठ सं Page No.
1. अध्यक्ष का अभिभाषण Chairman's Statement	2
2. सूचना Notice	8
3. निदेशकों की रिपोर्ट Directors' Report	12
4. प्रबंधन-वर्ग का विवेचन एवं विश्लेषण Management Discussion & Analysis	24
5. कार्पोरेट अभिशासन पर रिपोर्ट Report on Corporate Governance	46
6. बैंक का गत दस वर्ष के निष्पादन की विशिष्टताएँ Performance Highlights for the last 10 years	81
7. तुलन - पत्र एवं लाभ-हानि लेखा Balance Sheet and Profit & Loss Account	82
8. समेकित तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि लेखा Consolidated Balance Sheet and Profit & Loss Account	132
9. कार्पबैंक सिक्यूरिटीज़ लि. सहायक कंपनी के लेखे Accounts of CorpBank Securities Ltd. (Subsidiary Company)	158
10. उपस्थिति पर्ची Attendance Slip	189
11. ईसीएस अधिदेश ECS Mandate	191
12. प्रॉक्सी फार्म Proxy Form	193

कंपनी सचिव

एस. के. दाश

लेखा परीक्षक

शांतमूर्ति एण्ड कं.

एस. मोहन एण्ड कं.

बी. त्यागराजन एण्ड कं.

शंकर एण्ड मूर्ति

एन. के. भार्गव एण्ड कं.

Company Secretary

S. K. Dash

Auditors

Shanthamurthy & Co.

S. Mohan & Co.

B. Thiagarajan & Co.

Sankar & Moorthy

N. K. Bhargava & Co.

रजिस्ट्रार एवं शेयर**अंतरण एजेंट**

कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्राइवेट लिमिटेड

प्लॉट नं. 17-24

विठ्ठल राव नगर

माधापुर

हैदराबाद – 500 081

दूरभाष: 040-23420815-24

फैक्स : 040-23420814

Registrar & Share**Transfer Agent**

Karvy Computershare Pvt. Ltd.

Plot No. 17-24

Vithal Rao Nagar

Madhapur

Hyderabad – 500 081

Tel: 040-23420815-24

Fax : 040-23420814



अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की ओर से

प्रिय शेयरधारको,

कार्पोरेशन बैंक की दसवीं वार्षिक सामान्य बैठक में आप सभी का स्वागत करते हुए मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है, जिसकी मैं, बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में पदभार ग्रहण करने के पश्चात लगातार दूसरी बार अध्यक्षता कर रहा हूँ।

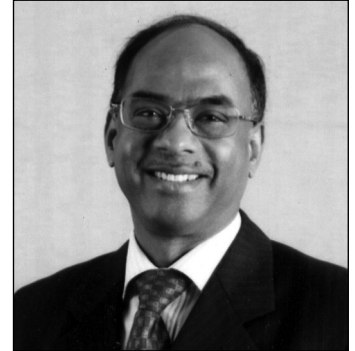
बैंक ने पिछले वर्ष शताब्दी समारोह मनाया तथा विभिन्न क्षेत्रों में मिली उपलब्धियों को हम संतुष्टि के साथ देख सकते हैं। 100 वर्ष के पश्चात, हमारे बैंक ने रु. 55,000 करोड़ का करोबार स्तर प्राप्त किया है तथा हम अगले तीन वर्षों में इसमें और रु. 50,000 करोड़ से अधिक जोड़ने की योजना बना रहे हैं। इस प्रकार हमने जो करोबार स्तर पिछले 100 वर्षों में प्राप्त किया है उसे अब सिर्फ 3 वर्षों में प्राप्त करने की योजना है। लक्ष्यगत संवृद्धि की मात्रा एवं गति इतना अधिक है कि हम उसके अनुरूप योजना तैयार कर रहे हैं। यह अर्थ व्यवस्था की तीव्र वृद्धि का परिचायक है।

कई दशकों से बैंक घरेलू प्रखंड से बचत जमा राशियां संग्रहीत करके कार्पोरेटों को ऋण देते आ रहे हैं। मध्यस्थता की प्रक्रिया में एक नया मोड़ आ रहा है। अब, कार्पोरेट प्रखंड भी जमा राशियों/संसाधनों के स्रोत के रूप में उभरकर आ रहा है तथा घरेलू प्रखंड तथा उपभोक्तावाद के बढ़ने के परिणामस्वरूप ऋण देने के लिए अच्छे अवसर प्राप्त हो रहे हैं। इससे तरलता तथा पुनर्मूल्यन जोखिमों में एक नया आयाम जुड़ गया है। गैर वित्तीय कंपनियों की तरफ से प्रतिस्पर्धा की एक नई प्रवृत्ति उभर रही है। दूर संचार तथा फुटकर क्षेत्र आकर्षक मॉडल पेश कर रहे हैं।

इस लक्ष्य को प्राप्त करने तथा नये अवसरों का फायदा उठाने हेतु बैंकों के करोबार एवं परिचालन दोनों मॉडलों में आमूल-चूल परिवर्तन करने की आवश्यकता है। 3पी अर्थात् कर्मचारी, प्रक्रिया तथा उत्पाद पर विशेष ध्यान है।

ऊर्ध्वगामी एवं क्षैतिज संवृद्धि

ऊर्ध्वगामी एवं क्षैतिज दोनों प्रकार से संवृद्धि नए करोबार मॉडलों के मुख्य घटक होंगे। हमने वर्तमान ग्राहकों को नए उत्पाद तथा नए ग्राहकों को वर्तमान उत्पादों का विक्रय करने की रणनीतियां बनाई हैं तथा इन्हें भली भांति अपनाया जा रहा है। रणनीति को ऊपर से नीचे ग्राहक संपर्क बिंदुओं के साथ सामंजस्य स्थापित करने की जरूरत है। हम कर्मचारी व रणनीति तथा प्रक्रिया व लोगों के बीच बेहतर समायोजन कर रहे हैं। हम ग्राहक उन्मुखता बढ़ाने तथा अपने वर्तमान व संभाव्य ग्राहक के पास पहुंचने हेतु अपने कर्मचारी तथा प्रौद्योगिकी संसाधनों का पुनर्संयोजन कर रहे हैं। इसके साथ ही हम वैयक्तिक एवं संगठनात्मक दोनों क्षमताओं को मजबूत कर रहे हैं। इस



उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु अनेक कार्यक्रम चल रहे हैं। इनमें से कुछ हैं **कार्यपालक कोचिंग, निष्पादन वृद्धि समर्थन, खुदरा आस्ति हब, पर्याप्त सतर्कता के अतिरिक्त स्तरों का सृजन आदि।**

नया परिचालन मॉडल

ग्राहकों तक पहुंचने हेतु एक नया परिचालन मॉडल बनाने के हमारे प्रयासों में ग्रामीण क्षेत्रों में करोबार प्रतिनिधियों की नियुक्ति, डाकियों तथा मुंबई में डबबेवालों के साथ तालमेल व्यवस्था शामिल है।

नवोन्मेषी कार्य

हम इसमें विश्वास करते हैं कि नवोन्मेष भावी सफलता की कुंजी है। हमने एक नयी नवोन्मेषी यात्रा शुरू की है। नवोन्मेषी संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए हमने पुरस्कार उन्मुखी अन्वेषण कार्यक्रम प्रारम्भ किए हैं तथा प्रक्रिया, उत्पाद एवं करोबार संबंधी विचार हमारे स्टाफ सदस्यों तथा अन्य स्टेक धारकों से प्राप्त हो रहे हैं।

परिवर्तन एवं अपरिवर्तन

एक ओर हम अपने ग्राहकों के प्रति समर्पण एवं निष्ठा की अपनी शताब्दी पुरानी वचन बद्धता के मूल्यों को कायम रखे हुए हैं तथा उन्हें नहीं बदल रहे हैं क्योंकि वे आज भी हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं। लेकिन हम दक्षता व प्रभाविकता को सुधारने के लिए अपने व्यवहार एवं प्रक्रियाओं को बदल रहे हैं। वास्तविक चुनौती प्रक्रियाओं तथा उत्पादों को पुराने होने पूर्व सक्रिय होने में निहित हैं।

मानव संसाधन

हमने 3टी रूपरेखा अर्थात् ट्रांजेक्शनल, ट्रांसलेशन एवं ट्रांसफॉर्मेशन गतिविधियों तथा कार्यक्रम के जरिए कार्मिक एवं मानव संसाधन के बीच वास्तविक विभेद किया है। हमने कार्यपालक कोचिंग के माध्यम से नेतृत्व की श्रृंखला तैयार करने हेतु कार्यक्रम शुरू किया है तथा हमने स्टाफ हेतु अनेक निष्पादन आधारित प्रोत्साहन भी प्रारम्भ किए हैं।

FROM THE CHAIRMAN AND MANAGING DIRECTOR

Dear Shareholders,

It is with immense pleasure I am welcoming you all to this August assembly of Tenth Annual General Meeting of Corporation Bank, which I am presiding for the second consecutive year as Chairman & Managing Director of the Bank.

The bank has celebrated centenary last year and we can look back with satisfaction of our achievements and progress in various facets. After 100 years, our Bank had achieved a business level of Rs.55000 crore and within the next three years we are planning to add over Rs. 50,000 crore. Thus, what was achieved in the last 100 years is now sought to be achieved in just a matter of three years. Such is the scale and speed of the growth trajectory that we are now chalking out. This is testimony to the robust growth of the economy.

For several decades banks have been mobilising savings from the household sector and lending to corporates. A new shift is taking place in the process of intermediation. Now, corporate sector is also emerging as source of deposits/resources and thanks to increasing consumerism and household sector offers good lending opportunities. This adds another dimension to liquidity and repricing risks. Another new trend emerging is the competition from non-financial companies. Telecom and retail sectors are throwing up build and monetise models.

Both business and operating models of banks need to undergo radical changes in order to achieve this goal and exploit new opportunities. The focus is on three Ps viz., PEOPLE, PROCESS AND PRODUCTS.

VERTICAL AND HORIZONTAL GROWTH

Both vertical and horizontal growth would be the major components of the new business model. We have put in place strategies to sell new products to existing customers and existing products to new customers and the same are vigorously pursued. Strategy needs to be pulled down from top of the shelf and aligned to customer touch points. We are bringing about better alignment between people & strategy and process & people. We are reconfiguring our people and technology resources to enhance customer centricity and reach out to our customers, present and prospective. Simultaneously we are strengthening both individual and



organizational capabilities. Several programmes are run to achieve this objective. To mention a few; EXECUTIVE COACHING, PERFORMANCE ENHANCEMENT SUPPORT, RETAIL ASSET HUBS, CREATION OF ADDITIONAL LAYER OF DUE DILIGENCE etc.

NEW OPERATING MODEL

Our efforts to configure a new operating model to reach out to customers include appointment of business correspondents in rural areas, tie up with postmen and DABBAWALAS in Mumbai.

INNOVATION

We share the belief that innovation is the key to future success. We have begun a new innovation journey. To actively promote innovation culture we have launched reward driven ANVESHAN programs and ideas are pouring in from our staff members as well as other stakeholders relating to processes, products and business.

CHANGE AND NO CHANGE

While we retain our century old values of commitment to our customers and integrity, we do not change them, as they are not fads. But, we keep changing our practices and processes to improve efficiency and effectiveness. Real challenge lies in proactively obsolescing the processes and products.

HUMAN RESOURCES

We have brought in a virtual distinction between personnel and human resource function by introducing 3T framework viz; transactional, translation and transformation activities and programs. We have initiated a program to build pipeline of leadership through executive coaching and we have also introduced several performance-based incentives to staff-members.



ब्रांड इक्विटी

हमने विशेष प्रखण्डों में ब्रांड इक्विटी बढ़ाने हेतु कुछ कार्यक्रम प्रारम्भ किए हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में शुरू किया गया इस प्रकार का पहला पुरस्कार **राष्ट्रीय एसएमई उत्कृष्टता पुरस्कार** तथा **सर्वोत्कृष्ट चहुमुखी प्रतिभावान छात्र पुरस्कार** उन में से कुछ प्रमुख हैं।

कार्पोरेट सामाजिक दायित्व

हमने अनेक कार्पोरेट सामाजिक दायित्व पूरे किए हैं जैसे ग्रामीण पुस्तकालयों की स्थापना, मलेरिया नियंत्रण, जरूरत मंद विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां आदि।

पिरामिड आधार व्यापार (जन बैंकिंग)

हमने बृहत वित्तीय समावेशन कार्यक्रम प्रारंभ किया है जो वर्तमान में 450 से अधिक गावों में चल रहा है। पहले चरण में इस कार्यक्रम के तहत 1,00,000 से अधिक वित्तीय रूप से असमावेशित लोग लाभान्वित होंगे। हमारा मॉडल नो फ्रिल खाते तथा सामान्य क्रेडिट कार्ड से भी परे हैं। हम प्रत्येक गृहस्थ तथा गांव स्तर पर व्यापार मॉडल विकसित कर रहे हैं। हमने प्रायोगिक आधार पर स्मार्ट कार्ड आधारित कार्यक्रम भी प्रारंभ किया है तथा हम इन प्रयोगों का परिणाम देखकर स्मार्ट कार्ड आधारित परियोजनाओं का विस्तार करेंगे।

जहाँ हम एक अच्छे भविष्य के लिए बीज बो रहे हैं, हम अपने चालू निष्पादन पर अपने प्रयासों पर निश्चित नहीं रह सकते। वर्ष 2006-07 के दौरान बैंक के वर्तमान निष्पादन की ओर एक नजर दौड़ाएंगे।

- आपके बैंक के निष्पादन की तत्काल समीक्षा दर्शाती है कि आपके बैंक का कुल कारोबार 31 मार्च, 2006 के रु. 56,839 करोड़ की तुलना में 27.21% की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 72,307 करोड़ हो गया।
- 31-03-2007 को आपके बैंक की कुल जमाराशियां पिछले वर्ष की तुलना में रु. 9,480 करोड़ (28.83%) की समग्र वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 42,357 करोड़ रहीं।
- आपके बैंक के निवल अग्रिम इस अवधि के दौरान रु. 23,962 करोड़ से बढ़कर रु. 29,950 करोड़ हो गये। इस प्रकार 24.99% की वृद्धि दर से रु. 5,988 करोड़ की वृद्धि दर्ज हुई। ऋण जमा अनुपात 31 मार्च, 2006 के 72.88% से 31 मार्च 2007 को 70.71% हो गया।
- कुल निवेश पिछले वर्ष के रु. 10,652 करोड़ की तुलना में बढ़कर रु. 14,417 करोड़ हो गये।
- आपके बैंक की निवल मालियत 31-03-2006 के रु. 3,375 करोड़ से बढ़कर 31-03-2007 को 11.57% की वृद्धि दर दर्ज करते हुए रु. 3,765 करोड़ हो गयी। समग्र प्रगति को ध्यान में रखते हुए बैंक के निदेशक मंडल ने वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु 40% अंतरिम लाभांश की घोषणा की है तथा पहले ही भुगतान किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त बैंक

के निदेशक मंडल ने आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन 50% अंतिम लाभांश की सिफारिश भी की है। अतएव वर्ष 2006-07 हेतु कुल लाभांश 90% है।

- आपके बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात मार्च, 2007 के अंत में 12.76% रहा।
- वर्ष के दौरान आपके बैंक की कुल आय में रु. 3,100 करोड़ से रु. 3,996 करोड़ की वृद्धि हुई है। 43.71% की दर से बढ़ी अग्रिमों पर ब्याज आय का इस वृद्धि में प्रमुख योगदान है।
- आपके बैंक ने 3.24% का संतोषजनक निवल ब्याज मार्जिन (एनआईएम) दर्ज किया है। जमाराशियों की लागत मार्च, 2006 के 4.55% से बढ़कर 31-03-2007 को 5.30% हो गयी। अग्रिमों पर प्रतिलाभ वर्ष के दौरान 8.26% से बढ़कर 9.05% हो गया।
- आपके बैंक का सकल लाभ रु. 186 करोड़ से बढ़कर मार्च, 2007 को रु. 1,140.04 करोड़ हो गया। बैंक का निवल लाभ 31 मार्च, 2006 के रु. 444.46 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2007 को 20.63% की वृद्धि दर से रु. 536.14 करोड़ हो गया।
- औसत आस्तियों पर प्रतिलाभ 31 मार्च, 2007 को 1.26% रहा जबकि इक्विटी पर प्रतिलाभ 14.24% रहा तथा प्रति शेयर बही मूल्य 31 मार्च, 2006 के रु. 235.28 से बढ़कर 31 मार्च, 2007 को रु. 262.51 हो गया।
- आपके बैंक ने गत वर्ष की रु. 171.15 करोड़ की नकद वसूली के मुकाबले इस वर्ष रु. 190.04 करोड़ की नकद वसूली की है। परिणामस्वरूप बैंक की सकल गैर निष्पादक आस्ति रु. 624.57 करोड़ रही तथा निवल गैर निष्पादक आस्ति रु. 141.93 करोड़ रही। बैंक, गैर निष्पादक आस्तियों हेतु किये गये प्रावधानों से रु. 100 करोड़ का पुनरांकन करने में भी सफल रहा है तथा बट्टा खाते लिखे गए खातों से रु. 16 करोड़ वसूल किए।
- आपके बैंक का प्रति कर्मचारी कारोबार 31-03-2006 के रु. 528.54 लाख की तुलना में 31-03-2007 को रु. 645.42 लाख रहा। इस अवधि के दौरान प्रति शाखा औसत कारोबार रु. 57.86 करोड़ से बढ़कर रु. 68.46 करोड़ हो गया।
- वर्ष के दौरान आपके बैंक ने 66 शाखाएं खोली जिससे कुल शाखाओं की संख्या 901 हो गयी है। इसके अलावा बैंक ने वर्ष के दौरान अपने एटीएम नेटवर्क में विस्तार किया और 28 अतिरिक्त एटीएम स्थापित किये जिससे एटीएमों की कुल संख्या 929 हो गयी। आपके बैंक की सभी शाखाएं कम्प्यूटरीकृत परिवेश में आ गयी हैं। कोर बैंकिंग समाधान (सी.बी.एस.) सभी शाखाओं में कार्यान्वित किया गया है जिससे 100% बैंक का समस्त कारोबार इसके तहत आ गया है।



BRAND EQUITY

We have launched a few programs to enhance brand equity, particularly in certain segments. To mention a few; institution of NATIONAL SME EXCELLENCE AWARD, the first of its kind by a PSU bank and BEST ALL ROUND STUDENT AWARDS.

CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY

We have taken up wide ranging corporate social responsibilities. To mention a few; Establishing village libraries, Malaria control, Scholarships to needy students etc.

BUSINESS AT THE BOTTOM OF THE PYRAMID

We have taken up massive financial inclusion program that is now being run in over 450 villages. Over 1,00,000 financially excluded people would be benefited under this program in the first phase. Our model goes beyond No Frill Accounts and General Credit Card. We are developing business model at the individual household level as well at village level. We have also introduced smart card based program on a pilot basis and after learning from these pilots, we would roll out this smart card based projects.

While we sow seeds for a bright future, we cannot dilute our efforts on current performance. Let me give a quick review of your Bank's current performance during the year 2006-07 is as below:

- The total business of the Bank increased from Rs. 56,839 crore as at 31st March 2006, to Rs.72,307 crore registering a growth of 27.21%.
- The aggregate deposits of your Bank as on 31.03.2007 stood at Rs.42,357 crore, registering an absolute growth of Rs.9,480 crore (28.83%) over the previous year.
- The net advances of your Bank improved from Rs. 23,962 crore to Rs.29,950 crore during the period, registering a growth of Rs.5,988 crore at a growth rate of 24.99%. The credit deposit ratio stood at 70.71 % as at 31st March 2007 as against 72.88 % as at 31st March 2006.
- The aggregate investments stood at Rs.14,417 crore, as against Rs.10,652 crore in the previous year.
- The Net Worth of your Bank which was Rs. 3,375 crore as at 31.03.2006 improved to Rs.3,765 crore as at 31.03.2007 registering a growth rate of 11.57 %. Keeping in view of the overall progress shown, the Board of Directors of the Bank declared an interim dividend of 40% for the financial year

2006-2007 and has already been paid. Further, the Board of Directors of the Bank also recommended a final dividend of 50% subject to approval of the Shareholders in the ensuing Annual General Meeting. Thus, the total Dividend for the year 2006-2007 is 90 %.

- Your Bank's Capital Adequacy Ratio stood at 12.76 % as at the end of March 2007.
- The total income of your Bank has increased from Rs. 3,100 crore to Rs. 3,996 crore during the year. The interest income on advances has grown by 43.71 %, which is a major contributor to this growth.
- Your Bank recorded a satisfactory Net Interest Margin (NIM) of 3.24%. The cost of deposits has gone up from 4.55% as at March 2006 to 5.30% as at March 2007. The yield on advances increased from 8.26 % to 9.05% during the year.
- Your Bank's Gross Profit has improved by Rs.186 crore to Rs.1,140.04 crore as at March 2007. The Net profit of the Bank improved from Rs.444.46 crore as at 31st March 2006 to Rs.536.14 crore as at 31st March 2007 with a growth rate of 20.63%.
- The Return on Average Assets as at 31st March 2007 stood at 1.26%. While the Return on Equity was at 14.24%, the Book value per share improved from Rs.235.28 as at 31st March 2006 to Rs. 262.51 as at 31st March 2007.
- Your Bank has effected a cash recovery of Rs.190.04 crore during the year as against Rs.171.15 crore in the previous year. Consequently, the Gross NPA of the Bank stood at Rs.624.57 crore and the Net NPA at Rs.141.93 crore. The Bank has also been able to write-back Rs.100 crore from the provisions made for NPAs and recovered Rs.16 crore from written-off accounts.
- The Business per employee of your Bank as on 31.03.2007 stood at Rs.645.42 lakhs as against Rs. 528.54 lakhs as on 31.03.2006. The Average Business per branch improved from Rs. 57.86 crore to Rs.68.46 crore during the period.
- Your Bank has opened 66 branches during the year taking the total number of branches to 901. Besides, the Bank expanded its ATM network by putting in place 28 additional ATMs during the year, taking the total number of ATMs to 929. All the branches of the Bank have been brought under computerized environment. The Core Banking Solution (CBS) has been implemented in all the branches, thus covering 100% of Bank's overall Business.



- समीक्षाधीन वर्ष के दौरान अभिलिखित करने की एक सार्थक घटना यह रही थी कि आपके बैंक ने सार्वजनिक क्षेत्र के अन्य दो बैंकों अर्थात्, ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स तथा इंडियन बैंक के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) में प्रवेश किया जो बैंकिंग उद्योग में इस प्रकार का प्रथम कदम है। संयुक्त परिचालन के सभी क्षेत्रों जैसे आम ई-भुगतान प्रणाली, सूचना प्रौद्योगिकी संसाधनों का आदान-प्रदान, ट्रेजरी संसाधनों का आदान-प्रदान, पूंजी बाज़ार एवं अंतर्राष्ट्रीय एवं अन्य वित्तीय उद्यमों, बैंकाशोरेंस, व्यापार समेकन तथा आदान-प्रदान, प्रशिक्षण संसाधनों का आदान-प्रदान, सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य आस्तियों की आम खरीद और जहाँ कहीं संभावित हो, सभी क्षेत्रों में आपसी आदान-प्रदान में यह एमओयू सहायक होगा।
- बैंक को संपूर्ण भारत में सभी आयुक्तालयों में ई-भुगतान के जरिए केंद्रीय उत्पाद शुल्क तथा सेवा कर की वसूली हेतु प्राधिकृत किया गया है।
- बैंक को वर्ष 2003-04 तथा 2004-05 वर्षों के दौरान निर्यात ऋण में बैंक के उत्कृष्ट निष्पादन हेतु भारतीय निर्यात संगठन महासंघ, नई दिल्ली द्वारा 'निर्यात बंधु पुरस्कार' प्रदान किया गया है।

- भारत में श्रेष्ठ बैंकों पर बिज़नेस टुडे – के पी एम जी सर्वेक्षण 2006 एवं 2007 ने हमारे बैंक को लगातार दो वर्षों हेतु सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में श्रेष्ठ बैंक के रूप में श्रेणीबद्ध किया है।
- भारत के श्रेष्ठ बैंकों पर फिनेन्शियल एक्सप्रेस एनर्स्ट एवं यंग सर्वेक्षण [मार्च 2007] ने बैंक को राष्ट्रीयकृत बैंकों में दूसरा स्थान दिया है।

आपके बैंक ने प्रक्रिया क्रम में नए परिवर्तन करने के पूरे प्रयास किए हैं, जिससे न केवल सेवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है बल्कि ग्राहकों को उत्पादों की सुपुर्दगी की गति में भी सुधार हुआ है।

आपका,

बि. आ. मूर्ति

(बी. सांबमूर्ति)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

मंगलूर

18-05-2007





- During the year under review a very significant event to record is that Your Bank has entered into a Memorandum of Understanding (MOU) with two other Public sector Banks namely Oriental Bank of Commerce and Indian Bank and its being the first of its kind in the Banking Industry. The MOU has an aggressive edge for mutual sharing in many areas of joint operation like build a common E-Payment System, Sharing of I.T. and Treasury resources, joint foray into Capital market and other financial ventures both Domestic and International, Bancassurance, Business syndication and sharing of training resources, Common procurement of IT and other assets wherever feasible etc.
- The Bank has been authorized for collection of Central Excise and Service Tax through e-payment in all Commissionrates throughout India.
- The Bank has been conferred with 'Niryath Bandhu Award' from the Federation of Indian Export Organisation, New Delhi, for the Bank's excellent performance in Export Credit during 2003-04 and 2004-05.

- Business Today-KPMG survey 2006 & 2007 on Best Banks in India has ranked our Bank, the Best Bank among all Public Sector Banks for the two consecutive years.
- The Financial Express- Ernst & Young survey on India's Best Banks [March 2007] has ranked the bank, 2nd among Nationalised Banks.

Your Bank has made all out efforts to bring in a new order of process change, which not only improve the quality of service but also improve the speed in delivery of products and services to the customers.

Yours sincerely,

Mangalore
18-05-2007

(B. Sambamurthy)
Chairman & Managing Director



कार्पोरेशन बैंक

कार्पोरेशन बैंक
प्रधान कार्यालय : मंगलादेवी मंदिर मार्ग
मंगलूर – 575 001, दक्षिण कन्नड जिला, कर्नाटक राज्य, भारत

सूचना

कार्पोरेशन बैंक (शेयर और बैठक) विनियम, 1998 के विनियम 56 के अनुसरण में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि कार्पोरेशन बैंक के शेयरधारकों की 10वीं वार्षिक सामान्य बैठक **बुधवार, 27 जून, 2007 सायं 4.00 बजे**, सहस्राब्दि भवन, कार्पोरेशन बैंक, प्रधान कार्यालय, मंगलादेवी मंदिर मार्ग, पांडेश्वर, मंगलूर – 575 001 में संपन्न होगी जिसमें निम्नलिखित मदों पर विचार विमर्श किया जाएगा:

मद सं. 1: बैंक के 31 मार्च, 2007 के तुलन-पत्र, 31 मार्च, 2007 को समाप्त वर्ष हेतु बैंक के लाभ-हानि लेखा, लेखों में समाहित अवधि के लिए बैंक के कार्य-निष्पादन तथा क्रियाकलापों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट और तुलन-पत्र एवं लेखों पर लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट पर विचार विमर्श, अनुमोदन तथा स्वीकार करना।

मद सं. 2: वित्तीय वर्ष 2006-2007 हेतु ईक्विटी शेयरों पर अंतिम लाभांश घोषित करना।

निदेशक मंडल के आदेश से
कृते कार्पोरेशन बैंक

(हस्ताक्षर)

(एस. के. दार्श)
कंपनी सचिव

स्थान : मंगलूर

दिनांक : 18-05-2007

नोट

- प्रॉक्सी की नियुक्ति**
जिस शेयरधारक को बैठक में भाग लेने का अधिकार है, उसे अपने स्थान पर बैठक में भाग लेने तथा वोट देने के लिए एक प्रॉक्सी नियुक्त करने का भी अधिकार है तथा ऐसे प्रॉक्सी का कार्पोरेशन बैंक का शेयरधारक होना आवश्यक नहीं है। तथापि, इस प्रकार नियुक्त प्रॉक्सी को बैठक में बोलने का कोई अधिकार नहीं होगा। प्रॉक्सी के रूप में ऐसे किसी भी व्यक्ति की नियुक्ति नहीं की जाएगी जो कार्पोरेशन बैंक का एक अधिकारी या कर्मचारी हो। प्रॉक्सी की सूचना प्रभावी होने हेतु प्रॉक्सी फार्म बैठक प्रारंभ होने से कम-से-कम चार दिन पहले अर्थात् शुक्रवार, 22 जून, 2007 को कार्यालय समय की समाप्ति अर्थात् अपराह्न 5.00 बजे से पहले बैंक के प्रधान कार्यालय में प्राप्त हो जाना चाहिए।
- प्राधिकृत प्रतिनिधि की नियुक्ति**
बैंक के शेयरधारक कंपनी निकाय का विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कोई व्यक्ति, वार्षिक सामान्य बैठक में भाग लेने और मतदान करने हेतु तब तक पात्र नहीं होगा, जब तक उसे विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करनेवाले संकल्प की प्रति बैठक के अध्यक्ष द्वारा, जिस बैठक में वह पारित किया गया हो, उसकी प्रमाणित सत्यप्रति बैठक की तिथि से कम-से-कम चार दिन पहले अर्थात् शुक्रवार 22, जून 2007 को कार्य समय की समाप्ति
- अर्थात् अपराह्न 5.00 बजे तक या उससे पूर्व** कंपनी सचिव, कार्पोरेशन बैंक के निवेशक सेवा विभाग, प्र.का. मंगलूर – 575 001, में प्रस्तुत कर दी जाए।
- उपस्थिति पत्रक-सह-प्रवेश पत्र**
शेयरधारकों की सुविधा हेतु उपस्थिति पत्रक-सह-प्रवेश पत्र इस सूचना के साथ अनुबंधित है। शेयरधारकों/प्रॉक्सीधारकों/प्राधिकृत प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे उसे भरकर उसमें निर्धारित स्थान पर अपने हस्ताक्षर करें और उक्त उपस्थिति पत्रक बैठक स्थान पर सौंप दें। शेयरधारकों के प्रॉक्सी/प्राधिकृत प्रतिनिधि उपस्थिति पत्रक-सह-प्रवेश पत्र में यथास्थिति प्रॉक्सी या “प्राधिकृत प्रतिनिधि”, जैसा भी मामला हो, उल्लिखित करें।
- सदस्यों के रजिस्टर की बंदी**
कार्पोरेशन बैंक (शेयर एवं बैठक) विनियम, 1998 के विनियम 12 के अनुसरण में बैंक का सदस्य-रजिस्टर और शेयर अंतरण बहियाँ, 10वीं वार्षिक सामान्य बैठक के सिलसिले में तथा अंतिम लाभांश, यदि कोई हो, प्राप्त करने हेतु शेयरधारकों को पात्र बनाने हेतु **मंगलवार, 19 जून, 2007 से बुधवार 27 जून, 2007 तक** (दोनों दिनों सहित) बंद रहेगी।
- लाभांश की अदायगी**
बोर्ड द्वारा संस्तुत अंतिम लाभांश यदि वार्षिक सामान्य बैठक में घोषित किया जाता है तो वह 07 जुलाई, 2007 से, या उसके बाद तथा इस घोषणा से 30 दिन के भीतर, बैंक के सदस्यों के रजिस्टर